प्रश्नावली (Questionnaire) →

अनुसंधान कार्यों हेतु प्रदत्तों के संग्रहण के लिए प्रश्नावली का बहुतायत: से उपयोग किया जाता है। प्रश्नावली प्रश्नों का एक सुपरिभाषित समूह होता है जिसे उत्तरदाता के सम्मुख प्रस्तुत किया जाता है तथा वह उनका उत्तर देता है। प्रश्नावली प्रभावीकृत साक्षात्कार का लिखित रूप भी कहा जा सकता है। प्रश्नावली प्रश्नों का एक व्यवस्थित संचयन होता है। प्रश्नावली एक साथ अनेक व्यक्तियों को दी जा सकती है जिससे कम समय, कम व्यय तथा कम श्रम में अनेक व्यक्तियों से प्रश्नों का उत्तर प्राप्त हो जाता है। प्रश्नावली तैयार करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना होता है -

1- प्रश्नावली के साथ मुखपत्र अवश्य संलग्न करना चाहिए जिसमें प्रश्नावली को प्रशासित करने के उद्देश्य का स्पष्ट उल्लेख किया गया है।

2- प्रश्नावली के प्रारम्भ में आवश्यक निर्देश अवश्य देना चाहिए जिनमें उत्तर को अंकित करने की विधि स्पष्ट की गई है।

3- प्रश्नावली में सम्मिलित किये गये सभी प्रश्न आकार की दृष्टि से छोटे, भाषायी दृष्टि से बोधगम्य तथा व्यावहारिक दृष्टि से सार्थक होना चाहिए।

4- प्रश्नावली में सम्मिलित किये गये प्रत्येक प्रश्न में केवल एक ही विचार को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

5- प्रश्नावली में प्रयुक्त तकनीकी / जटील शब्दों के अर्थ यथा सम्भव स्व-स्पष्ट होने चाहिए अन्यथा उनको स्पष्ट कर देना चाहिए।

Scanned with CamScanner

6- प्रश्नावली में सम्मिलित किये गये प्रश्नों में एक साथ दुहरी नकारात्मकता का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

7- प्रश्नावली में सम्मिलित किये गये प्रश्नों का उत्तर देने तथा अंकित करने में उत्तरदाता को सरलता होनी चाहिए।

8- प्रश्नावली में सम्मिलित प्रश्नों के उत्तरों का स्वरूप इस प्रकार का होना चाहिए कि उनका संख्यात्मक विश्लेषण किया जा सके।

9- प्रश्नावली बहुत बड़ी नहीं होनी चाहिए अर्थात प्रश्नावली में सम्मिलित किये गये प्रश्नों की संख्या प्रयोज्यों के अनुरूप होनी चाहिए।

प्रश्नावली प्रत्यक्ष सम्पर्क के द्वारा भी प्रशासित की जा सकती है तथा डाक द्वारा भेज कर भी आवश्यक सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती है। उत्तर प्रदान करने के आधार पर प्रश्नावली दो प्रकार प्रतिबंधित प्रश्नावली (Closed Form Questionnaire) तथा मुक्त प्रश्नावली (Open Form Questionnaire) की हो सकती है। प्रतिबंधित प्रश्नावली में दिये गये कुछ उत्तरों में से किसी एक उत्तर का चयन करना होता है जबकि मुक्त प्रश्नावली में उत्तरदाता को अपने शब्दों में तथा अपने विचार के अनुकूल उत्तर देने की स्वतंत्रता होती है। जब प्रश्नावली में दोनों ही प्रकार के प्रश्न होते हैं तब उसे मिश्रित प्रश्नावली (Mixed Questionnaire) कहते हैं।

Scanned with CamScanner

ऐनकडोटल अभिलेख (Anecdotal Records) →

ऐनकडोटल अभिलेख वास्तव में छात्रों के शैक्षिक विकास से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथा सार्थक घटनाओं का वस्तुनिष्ठ प्रस्तुतीकरण है। ये घटनाएँ अनौपचारिक या औपचारिक दोनों ही ढंग की हो सकती है। अध्यापक को इन घटनाओं का वर्णन घटना के घटित होने के बाद शीघ्रातिशीघ्र लिख लेना चाहिए तथा इसमें घटना कब घटी तथा किन परिस्थितियों में घटना हुई, इसका समुचित विवरण लिखना चाहिए। घटना के आधार पर अध्यापक छात्र के सम्बंध में अपनी व्याख्या तथा सुझाव भी अलग से ऐनकडोटल रिकार्ड में लिख सकता है।

ऐनकडोटल अभिलेख प्रपत्र →

छात्र का नाम - - - - - -
पिता का नाम - - - - - -
कक्षा - - - - - - - - - -
प्रवेश क्रमांक - - - - - -
विद्यालय - - - - - - -

दिनांक स्थान व परिस्थिति	घटना का विवरण	अध्यापक द्वारा घटना की व्याख्या	सुझाव

Scanned with CamScanner